Q. समन्वय की आवश्यकता या महत्व या लाभ बताइए।
What is the need, importance or advantages of Co-ordination.

Ans. वर्तमान समय में बड़ी-बड़ी व्यावसायिक संस्थाओं द्वारा बड़े पैमाने पर उत्पादन किया जा रहा है। ऐसी स्थिति में समन्वय का महत्व भी दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। इस संबंध में कूण्टज तथा ओ' डोनेल ने ठीक ही कहा है कि "समन्वय प्रबंध का केवल एक कार्य ही नहीं है बल्कि प्रबंध का सार भी है।" वास्तव में यह सही भी है। चाहे हम व्यवसाय के क्षेत्र में हो या प्रशासन के क्षेत्र में, खेल के मैदान में हो या किसी क्लब में, सभी स्थानों पर समन्वय का ही बोलबाला दिखाई देता है। व्यवसाय के क्षेत्र में उत्पादन के विभिन्न साधनों में समन्वय नहीं रहने पर उनका ~~कुछ~~ अस्तित्व ही खतरे में पड़ सकता है। इसी कारण प्रबंध विशेषज्ञ उर्विक ने तो यहाँ तक कह दिया है कि "संगठन का उद्देश्य ही समन्वय स्थापित करना है।"

- समन्वय की आवश्यकता, लाभ, महत्व निम्न हैं—

1. आदेशों एवं निर्देशों की एकता

Unity of Command and Direction —

आदेश एवं निर्देश की एकता प्रबंध का एक महत्वपूर्ण सिद्धांत है किन्तु इस सिद्धांत का पालन तभी किया जा सकता है, जब उपक्रम के प्रत्येक स्तर पर अधिकारों एवं उत्तरदायित्वों की स्पष्ट व्याख्या कर दी जाती है जिससे प्रत्येक व्यक्ति को आदेश एवं निर्देश एक ही अधिकारी से प्राप्त हो। ऐसा करने से समय, शक्ति एवं साधनों का सदुपयोग होता है। यह कार्य समन्वय के बिना संभव नहीं है।

2. विविधता में एकता – Unity ~~admi~~ amidst Diversity –

किसी भी संस्था में विभिन्न जाति, धर्म, प्रदेश तथा भाषा बोलने वाले एवं विचारधारा वाले व्यक्ति एक साथ कार्य करते हैं। सभी का संगठन का लक्ष्य एक समान होता है। इन सभी के कार्य करने का तरीका एवं मानसिकता अलग-2 होता है। इस प्रकार उनके कार्यों में विविधता पायी जाती है। परन्तु निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए इन सभी व्यक्तियों की क्रियाओं को एक सूत्र में पिरोया जाता है अर्थात् समन्वय स्थापित किया जाता है। इस प्रकार समन्वय के द्वारा ही विविधताओं के होते हुए भी लोगों में टीम भावना पैदा की जाती है

3. कुल उपलब्धि में वृद्धि –

Total Accomplishment Increases –

सामूहिक प्रयत्नों के उद्देश्य को समन्वय अति आवश्यक है। हमारे विचार में सामूहिक प्रयत्नों की उपलब्धियाँ व्यक्तिगत प्रयत्नों की उपलब्धियों से कहीं अधिक होती है। साथ ही, समन्वय के द्वारा प्रत्येक प्रयत्न की प्रभावशीलता में वृद्धि होती है। मेरी पार्कर फोलेट ने भी इस बात का समर्थन किया है कि "समन्वय के कारण समूह की कुल उपलब्धियाँ व्यक्तियों की अलग-2 उपलब्धियों से कहीं अधिक होती है। उन्होंने इस समूह को 'धन-मूल्य (Plus Value) कहा है।"

4. उच्च कर्मचारी मनोबल

High morale of Employees –

समन्वय द्वारा कर्मचारियों को कार्य संतुष्टि प्राप्त होती है जिसके परिणामस्वरूप उनका मनोबल ऊँचा उठता है। कर्मचारियों की आपसी

Teacher's Signature.....

ईर्ष्या, द्वेष, व्यक्तिगत विरोध एवं अन्य राजनीति बहुत कुछ सीमा तक समाप्त हो जाती है। उनमें पारस्परिक सहयोग एवं विश्वास बढ़ता है। अतः वे लगन, निष्ठा एवं परिश्रम से कार्य करने के लिए प्रेरित होते हैं।

5. मानवीय संबंधों पर बल-
Emphasis on Human Relations —

समन्वय मानवीय संबंधों को भी प्रभावित करता है। किसी कार्य को करने का एक कुशल तरीका मालूम करना अपेक्षाकृत सरल होता है किन्तु कार्य को विभिन्न व्यक्तियों द्वारा मिल-जुलकर एक समिति के रूप में समन्वित ढंग से करना कठिन होता है। इस प्रकार समन्वय पारस्परिक सहयोग एवं विकास पर बल देता है। परिणामस्वरूप समन्वय के कारण स्वस्थ मानवीय संबंधों का विकास होता है।

6. प्रबंध के अन्य कार्यों की कुंजी
Key to other functions of management

7. सृजनात्मक एवं रचनात्मक शक्ति
Creative and Constructive Power

8. संस्था के लक्ष्यों को प्राप्त करना
To achieve Enterprise Goals

9. संघर्ष को कम करना
To minimise Conflict

Teacher's Signature..................